एमएसएमई ने यूपी की अर्थव्यवस्था देश में दूसरे स्थान पर पहुंचाई : योगी

छोटे और मझोले उद्यमों को 20 हजार करोड़ रुपये के ऋण वितरण का किया शुभारंभ

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में एमएसएमई की 90 लाख से अधिक इकाइयों के योगदान की वजह से देश में यूपी की अर्थव्यवस्था छठे स्थान से दूसरे स्थान पर आ गई है। रोजगार देने के मामले में प्रदेश पहले पायदान पर है। छोटी इकाइयों की ब्रांडिंग और शोकेसिंग में प्रदेश ने लंबी छलांग लगाई है। वह बृहस्पतिवार को लोक भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने एमएसएमई इकाइयों को बैंकों द्वारा 20 हजार करोड़ के ऋण वितरण का शुभारंभ किया। विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण और टूलकिट दिए। उन्होंने रेजिंग एंड एक्सेलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैंप) योजना का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले छोटे उद्यमियों में निराशा थी। प्रदेश अर्थव्यवस्था और रोजगार में फिसड्डी था। वर्ष 2017 के बाद से लगातार किए गए प्रयास से एमएसएमई उद्योग आज प्रदेश के विकास की रीढ़ बन चुका है।

वहीं, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि उद्यमियों को जमीन का संकट दूर करने के लिए ग्राम समाज की बेकार जमीन का ब्योरा जुटाया जा रहा है। साथ ही कब्जे वाली जमीनों को खाली कराकर एमएसएमई पार्क के रूप में विकसित करने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है। समारोह में आईआईडीसी मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव आलोक कुमार, समीर रंजन पंडा आदि मौजूद थे।

सीएम योगी ने बृहस्पतिवार को लोकभवन में अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण व टूलकिट दिया। इस दौरान मंत्री राकेश सचान भी मौजूद रहे। -अमर उजाला

झांसी स्थित रानी लक्ष्मीबाई प्लेज पार्क का किया उद्घाटन

सीएम योगी ने आज वर्चुअली झांसी स्थित रानी लक्ष्मीबाई प्लेज पार्क का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि डिफेंस कॉरिडोर में अबतक 24 हजार करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। पिछले साल की तरह इस बार सितंबर में इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया जाएगा। पिछले साल ट्रेड शो में 70 हजार बायर्स आए थे। इस बार यह संख्या और बढ़ेगी।

युवाओं को पांच लाख का ब्याज मुक्त लोन

सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्यमी दुर्घटना बीमा के तहत 24 लाख से अधिक उद्यमी रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत युवाओं को पांच लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण दिया जाएगा। दस साल में 10 लाख सूक्ष्म उद्यमियों को जोड़ा जाएगा।

यह है रैंप योजना

एमएसएमई के प्रदर्शन को बेहतर और तेज करने के लिए रैंप योजना पेश की गई है। इसका उद्देश्य छोटी इकाइयों के बाजार और लोन में सुधार करना है। केंद्र-राज्य संबंधों और योजनाओं को बेहतर करना है। एमएसएमई को देर से भुगतान समस्या को दूर करना है। रैंप का काम रणनीतिक निवेश योजना तैयार करना भी है। इसके अंतर्गत छोटी इकाइयों की राह की बाधाओं की पहचान करना, ग्रामीण व गैर-कृषि व्यवसाय, थोक एवं खुदरा व्यापार, ग्रामीण और कुटीर उद्योग, महिला उद्यम आदि प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए बजट पेश करना शामिल है।